जा़यद बही नं० 4 34

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह खा़ना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
	वसीयत R.No. 117
बस्तान वालीयती — बही 4 — किताब 3 — बाबत — 616	R.F.- 50.00 C.F.- 3.00 टोटल- 53.00

Sub Registrar ... Distt. Bilaspur (H.P.)

New Art Press J... 2074 Reg.

Government Judicial Paper

...ज।

...मर 68 साल वल्द चन्दू
...ना घयाल परगना
...ल व ज़िला बिलासपुर
... का है, जो के मुज़हर
..., ला औलाद नरीना
... कुछ अर्सा से मामूली
...ता रहता चला आता
...ती 4 दुख़्तरान मु कलापती,
...प्रेमी, मु चिन्ता व ज़ौजा
...ह हैं मुज़हर जुमला
...की शादीयां माकूल दहेज
...का है और वह खुश असलूबी
... सुसराल में आबाद हैं
...मुज़हर भी ज़ईफ़ व लागर
...ार होती रहती चली
... की खिदमत व परवरिश
... चुकी है मुज़हर व मु
...ज़हर की ऐसी हालत
...ल्द हरीराम वल्द सरामा
...हसील अरकी ज़िला सोलन
...ो मुज़हर की हकीकी
...होने से भांजा लगता
... से मुज़हर व मु
...ज़हर की अर्सा। साल
से बरवा़ना मुज़हर ही रिहायश रख
देख भाल व खिदमत व परवरिश करता
व इलाज मुआलजा करवाता चला आता है

No 0363935 1988 Himachal Government Judicial Paper

वसीयत नामा जुज।

मनके गांधी उमर 68 साल वल्द चन्दू वल्द वज़ीरू सकना घपाल परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लाग़र, लाऔलाद नरीना शख्स है और कुच्छ अर्सा से मामूली बिमार भी होता रहता चला आता है, मुज़हर की 4 दुख्तरान मु० कलापती, मु० ब्राह्मी, मु० प्रेमी, मु० चिन्ता व ज़ौजा मु० द्रोपती मौजूद हैं मुज़हर जुमला दुख्तरान खुद की शादीयां माकूल देहेज दे कर कर चुका है और वह खुशअसलूबी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं मु० द्रोपती ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लाग़र हो अकसर बिमार होती रहती चली आने से दीगरान की खिदमत व परवरिश की मोहताज हो चुकी है मुज़हर व मु० द्रोपती ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में नरेशकुमार वल्द हरीराम वल्द सरामा सकना काकड़ा तैहसील अरकी ज़िला सोलन हिमाचल प्रदेश जो मुज़हर की हकीकी साली का पिसर होने से भांजा लगता है ही हर तरह से मुज़हर व मु० द्रोपती ज़ौजा मुज़हर की अर्सा। साल से बरख़ाना मुज़हर ही रिहायश रख देख भाल व खिदमत व परवरिश करता व इलाज मुआलजा करवाता चला आता है

गांधी, अंगूठा गांधी मुज़हर
कटिंग मंज़ूर

21-6-90

[illegible] --- 215 --- [illegible]

किताब 3 --- [illegible]

[illegible] --- 616 --- [illegible]

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
21/6/9

1
9
8
8

No. 0363936 **Himachal Government Judicial Paper**

वसीयत नामा जुज़ २

मुज़हर व मु॰ द्रोपती ज़ौजा मुज़हर खिदमात नरेशकुमार मज़कूर से बहुत खुश हैं व उस से आयन्दा भी ऐसी ही खिदमात करते रहने की तवक्का रखते हैं, हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है के नरेशकुमार मज़कूर को कुछ सिल्ला खिदमात खुद व मु॰ द्रोपती ज़ौजा खुद दे, मु॰ द्रोपती ज़ौजा मुज़हर भी यही चाहती है, मुज़हर कुछ जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला जदी व बाहद पैदाकरदा खुद वाक्या घ्याल व त्योमन परगना बहादरपुर का मालक व काबज़ है सो मुज़हर जायदाद मज़कूरा खुद नरेशकुमार मज़कूर को देने का ख्वाहां है, गो मुज़हर की जायदाद मज़कूरा मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है के बाद वफ़ात मुज़हर जायदाद मुज़हर की निस्बत कोई शख्स तनाज़ा किसी किस्म को इस लिये अब मुज़हर बकायमी होश व हवास खमसा खुद बिला जबर व इकराह व तरग़ीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करता व लिख देता है के जब तक मुज़हर हयात है जुमला जायदाद हर किस्म खुद का मालक व काबज़ है बाद वफ़ात मुज़हर जुमला जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हर वाक्या घ्याल व त्योमन परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला बिलासपुर

दस्तखत
गांधी, मु॰ द्रोपती निशान अंगूठा
[signature]

21-6-90

वसीका वसीयत नामा हुआ गांधी पुत्र चन्दु

मौजा घ्याल परगना बहादुरपुर तहसील सदर

जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 21 जून 1990

मुताबिक 31 ज्येष्ठ 1912 बरोज वीरवार

वक्त 4.30 बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार

सदर में बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

ह० कर्ता

गांधी

Sub-Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
21/6/90

№ 0363937 1 9 8 8 **Himachal Government Judicial Paper**

वसीयत नामा जुज 3

हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी वाकया हो का नरेश कुमार मज़कूर बाहद मालक व काबज़ तसव्वर हो गा, किसी भी दीगर शख्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायेदाद मुज़हर मौसी से ना हो गा और हर दीगर वारस मुज़हर मौसी जायेदाद हर किस्म मुज़हर मौसी से मेहरूम तसव्वर हो गा. नरेश कुमार मौसी इल्हा मज़कूर ही वाहद कामल मालक व काबज़ जुमला जायेदाद मनकूला व गैर मनकूला हर किस्म मुज़हर मौसी का हो गा. किसी भी दीगर शख्स को मुज़हर के वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख करवाने का कोई हक हासल ना हो गा, मुज़हर मौसी ने पेशतर कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा तैहरी ना कराई है इस लिये वसीयत नामा हज़ा से पेशतर की हर दस्तावेज़ वसीयतनामा मिन्जानिब मुज़हर मौसी जाली व फर्जी होने से रद तसव्वर हो गी और वसीयत नामा हज़ा पर पूरा पूरा अमल हो गा, लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के सनद रहे।

तैहरीर 21/6/90

गवाह शुद

रतनलाल वल्द धनीराम वल्द बारू सकना टपरा परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश

[signature]

अलबद

गांधी, मौसी मज़कूर

गांधी

गवाह शुद

दीपराम वल्द जोतीराम वल्द धारी सकना रूण्डल तैहसील अरकी ज़िला सोलन हिमाचल प्रदेश

Deep Ram

उज़्र मुताद सायल लिखा गया सुन समझ कर दुरुसत तसलीम किया। लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर 690 21/6/90

(नोट) वसीयत नामा हज़ा 616 अलफ़ाज़ पर मुशतमल है।

21-6-90

वसीका वसीयत नामा हुआ श्री गांधी

हरफ ब हरफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने इस वसीका को [illegible] तहरीर व तकमील को सुन व समझकर सही तसलीम किया, इनकी शनाख्त श्री बुद्धि सिंह [illegible] ने की है। जिनसे मैं स्वयं परिचित हूं। लिहाजा वसीका हजा तस्दीक किया जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता — शनाख्त कर्ता

गांधी

Budhi Singh

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
21/6/90

[illegible] 117 in Book [illegible] 3
[illegible] 91 on page/pages 46 [illegible] 21
[illegible] 1990
537

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
21/6/90